The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 3 | Issue 7 | July 2025
ISSN: 2583-973X (Online)
Website: www.theacademic.in

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिये समावेशीय अभिवृत्ति की उपादेयता : एक अध्ययन

मनोज कुमार

शोधार्थी, डिपार्टमेंट ऑफ पेडागॉजिकल साइंसेज, शिक्षा-संकाय, दयालबाग एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), दयालबाग, आगरा, उत्तर प्रदेश

प्रोफेसर अरुण कुमार कुलश्रेष्ठ

डिपार्टमेंट ऑफ पेडागॉजिकल साइंसेज, शिक्षा-संकाय, दयालबाग एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), दयालबाग, आगरा, उत्तर प्रदेश

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.16886972

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 30-07-2025

Published: 10-08-2025

Keywords:

शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों, समावेशी शिक्षा, समावेशीय अभिवृत्ति, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, उपादेयता

ABSTRACT

आधुनिक शिक्षा-प्रणाली का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी क्षमताओं एवं आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है । इस उद्देश्य की प्राप्ति में समावेशी शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । शिक्षा-प्रणाली के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, इसलिए, शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों में समावेशीय अभिवृत्ति का विकास अति आवश्यक है । समावेशीय अभिवृत्ति का आशय एक ऐसी मानसिकता से है जिसमें शिक्षक सभी विद्यार्थियों को, चाहे वे शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा भाषाई रूप से भिन्न हों, समान अधिकार एवं अवसर देने के लिये तत्पर रहते हैं । ऐसी अभिवृत्ति में करुणा, सहानुभूति, लचीलापन एवं सहकार्य की भावना निहित होती है । शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिए समावेशीय अभिवृत्ति का विकास न केवल उनके व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भविष्य के कक्षा-शिक्षण में सकारात्मक अधिगम वातावरण के निर्माण एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण

योगदान दे सकता है । अतः शिक्षण व्यवसाय में शिक्षकों के लिये समावेशीय अभिवृत्ति महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक आयाम होता है । शोध अध्ययन का उद्देश्य शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिए समावेशीय अभिवृत्ति की उपादेयता का अध्ययन करना है । प्रस्तुत शोध अध्ययन में समावेशी शिक्षा एवं समावेशीय अभिवृत्ति की अवधारणा, शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिये समावेशीय अभिवृत्ति की उपादेयता की चर्चा की गई है ।

प्रस्तावना :-

किसी भी प्रगतिशील राष्ट्र द्वारा अपने विकास हेतु अपनाये गये विविध साधनों में शिक्षा का एक महत्वपूर्ण स्थान है । शिक्षा, सामाजिक न्याय और समानता प्राप्त करने के लिए सबसे बड़ा साधन है । शिक्षा की प्रक्रिया में शिक्षक ही वह धुरी है जिसके चारों ओर सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली चक्कर लगाती है । आधुनिक शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी क्षमताओं एवं आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है । इस उद्देश्य की प्राप्ति में समावेशी शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । समावेशी शिक्षा का अर्थ केवल दिव्यांग विद्यार्थियों को सामान्य विद्यालयों में प्रवेश देना नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जहाँ सभी विद्यार्थी, चाहे वे किसी भी पृष्ठभूमि, क्षमता या आवश्यकता के हों, एक साथ सीखते हैं और विकसित होते हैं । आर. के. शर्मा (2016). ने समावेशी शिक्षा को परिभाषित करते हुए कहा है कि समावेशी शिक्षा एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जिसका उपयोग करके प्रतिभाशाली और शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को एक साथ शिक्षा दी जाती है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. समान और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष बल देती है । यह सुनिश्चित करना चाहती है कि कोई भी बच्चा उसकी पृष्ठभूमि, लिंग, सामाजिक-आर्थिक स्थिति या विकलांगता के कारण शिक्षा से वंचित न रहे । राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF) 2023. ने समावेशी शिक्षा के संदर्भ में कई महत्वपूर्ण और प्रगतिशील बातें कही हैं, जो सभी शिक्षार्थियों के लिए समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं । सभी शिक्षार्थियों के लिए समान अवसर, विविधता का सम्मान और उसे एक संसाधन के रूप में देखना, लचीला व अनुकूलनीय पाठ्यक्रम और शिक्षण-शास्त्र, बहुभाषावाद को प्रोत्साहन, समग्र विकास, भेदभाव रहित सामग्री और मूल्यांकन, सहायक वातावरण और बुनियादी ढाँचा आदि । इस प्रकार समावेशी शिक्षा का आशय एक ऐसी शिक्षा प्रणाली से है जिसमें सभी विद्यार्थियों को अधिगम व विकास के समान अवसर प्रदान किये जाते हो । इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, इसलिए, शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों में समावेशीय अभिवृत्ति का विकास अति आवश्यक है । समावेशीय अभिवृत्ति का आशय एक ऐसी मानसिकता से है जिसमें शिक्षक सभी प्रकार के विद्यार्थियों

को, चाहे वे शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा भाषाई रूप से भिन्न हों, समान अधिकार एवं अवसर देने के लिये तत्पर रहते हैं । ऐसी अभिवृत्ति में करुणा, सहानुभूति, लचीलापन एवं सहकार्य की भावना निहित होती है ।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, जहाँ विविधता को एक शक्ति के रूप में देखा जाता है, शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों को ऐसी क्षमताऐं विकसित करनी होंगी जो उन्हें विभिन्न प्रकार के विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक शिक्षित करने में सक्षम बनाऐ । शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिए समावेशीय अभिवृत्ति का विकास न केवल उनके व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भविष्य के कक्षा-शिक्षण में सकारात्मक अधिगम वातावरण के निर्माण एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है । समावेशीय अभिवृत्ति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवसायिक योग्यता है जो प्रभावी शिक्षण वातावरण बनाने, सार्थक सम्बन्ध बनाने, व्यवसाय की मांगों को प्रबन्धित करने, अपने विद्यार्थियों के जीवन में गहन एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने की उनकी क्षमता को प्रभावित करती है । अतः शिक्षण व्यवसाय में शिक्षकों के लिये समावेशीय अभिवृत्ति महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक आयाम होता है । शोध अध्ययन का उद्देश्य शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिए समावेशीय अभिवृत्ति की उपादेयता का अध्ययन करना है । इस सम्बन्ध में गहन अध्ययन करके, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि उच्च समावेशीय अभिवृत्ति वाले शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों स्वयं को किस प्रकार देखते हैं, जिससे उन्हें शिक्षण व्यवसाय की चुनौतीयों का सामना करने के लिए आवश्यक मनोवैज्ञानिक तैयारी में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके ।

साहित्यावलोकन :-

प्रस्तुत अध्ययन के सन्दर्भ में साहित्यावलोकन निम्न प्रकार है-

पुरवार, मीना (2016). द्वारा ''कानपुर नगर के बी.एड. प्रशिक्षण में अध्ययनरत् छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं की अध्यापन-अभ्यास में पर्यवेक्षक के प्रति अभिवृत्ति- एक अध्ययन'' विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं की पर्यवेक्षकों के प्रति अभिवृत्ति ज्ञात करना, छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं की पर्यवेक्षकों के प्रति अभिवृत्ति की तुलना करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं की पर्यवेक्षकों के प्रति अभिवृत्ति सामान्य से अधिक है और दोनों की ही समान है । छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं की पर्यवेक्षकों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया ।

गुप्ता, अरुण के. एण्ड टंडन, भारती (2018). द्वारा ''एटीट्यूड ऑफ टीचर ट्रेनीर्स टुवर्ड्स इंक्लूसिव एजुकेशन'' विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षक प्रशिक्षणर्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षक प्रशिक्षणर्थियों की अभिवृत्ति का स्तर उच्च एवं धनात्मक पाया गया ।

दास, जोगेश्वरी एट अल. (2019). द्वारा ''ए स्टडी ऑन एटीट्यूड ऑफ प्रोस्पेक्टिव टीचर एजुकेटर टुवर्ड्स इंक्लूसिव एजुकेशन''विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य लिंग, विषय वर्ग एवं अध्ययन वर्ष के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति भावी शिक्षक प्रशिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार लिंग, विषय वर्ग एवं अध्ययन वर्ष के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति भावी शिक्षक प्रशिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया ।

बॉयल, क्रिस्टोफर एट अल. (2020). द्वारा ''दी इंपोर्टेंस ऑफ टीचर एटीट्यूड टु इंक्लूसिव एजुकेशन'' विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति के महत्व का अध्ययन करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति शिक्षक-छात्र सम्बन्ध के लिये महत्वपूर्ण है शिक्षकों की अभिवृत्ति नेतृत्व एवं विद्यालय उत्तरदायित्व को प्रभावित करती है ।

तिवारी, अभिषेक एण्ड अहमद, अफजाल (2021). द्वारा ''बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभिवृत्ति पर उनकी मानसिक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन'' विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य उच्च और निम्न मानसिक योग्यता वाले प्रशिक्षार्थियों की शिक्षण अभिवृत्ति की तुलना करना, बी.एड. छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं की मानसिक योग्यता की तुलना करना, वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित बी.एड. प्रशिक्षार्थियों के मानसिक योग्यता की तुलना करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार उच्च और निम्न मानसिक योग्यता वाले प्रशिक्षार्थियों की शिक्षण अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया । उच्च मानसिक योग्यता वाले प्रशिक्षार्थियों की शिक्षण अभिवृत्ति अधिक है । बी.एड. छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं की मानसिक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया । वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की मानसिक योग्यता में सार्थक अन्तर पाया गया । वित्तपोषित बी.एड. प्रशिक्षार्थियों की मानसिक योग्यता उच्च है ।

आर्य, मोहन लाल (2022). द्वारा ''बी.एड. एवं बी.टी.सी. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभ्यास के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन'' विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य बी.एड. एवं बी.टी.सी. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभ्यास के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन, लिंग व पाठ्यक्रम के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभ्यास के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार लिंग व पाठ्यक्रम के आधार पर बी.टी.सी. व बी.एड. के प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभ्यास के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया ।

काजमी, अंजुम बनो एट अल. (2023). द्वारा ''दी इफेक्ट ऑफ टीचर्स एटीट्यूड इन सर्पोटिंग इंक्लूसिव एजुकेशन वय कैटरिंग टु डायवर्स लर्नर्स'' विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षकों का व्यवहार

सम्बन्धी विकार वाले विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार शिक्षकों का व्यवहार सम्बन्धी विकार वाले विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पाया गई ।

रामप्रभु एस. एट अल. (2024). द्वारा ''एटीट्यूड ऑफ बी.एड. टीचर ट्रेनीर्स टुवर्ड्स इंक्लूसिव एजुकेशन'' विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य लिंग, महाविद्यालय प्रकार, विषय वर्ग, स्थानीयता व शैक्षिक स्तर के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षणर्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार लिंग, विषय वर्ग, स्थानीयता व शैक्षिक स्तर के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षणर्थियों की अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया । महाविद्यालय प्रकार के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षणर्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया ।

यादव, अजय कुमार एण्ड चतुर्वेदी, वंदना (2024). द्वारा ''समावेशी शिक्षा के प्रति रीवा जिले के हाई स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों की अभिवृत्ति'' विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य रीवा जिले के हाई स्कूल में कार्यरत शिक्षकों की समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार रीवा जिले के हाई स्कूलों में कार्यरत पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण अन्तर पाया गया । रीवा जिले के हाई स्कूलों में कार्यरत सरकारी और निजी शिक्षकों के बीच समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण अन्तर पाया गया ।

त्यागी, अंजलि एण्ड जैन, विनोद कुमार (2025). द्वारा ''प्रोफेशनल एटीट्यूड अमोंग टीचर ट्रेनीर्सः ए कांसेप्चुअल एण्ड थियोरेटिकल एक्सप्लोरेशन'' विषय पर अध्ययन किया गया । इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षणर्थियों की व्यवसायिक अभिवृत्ति का अध्ययन करना था । शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार शिक्षक प्रशिक्षणर्थियों में मजबूत व्यवसायिक अभिवृत्ति भावी विद्यार्थियों की शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के लिये अति आवश्यक होती है ।

उपर्युक्त शोध अध्ययनों के अवलोकन से ज्ञात होता है कि समावेशी शिक्षा एवं समावेशीय अभिवृत्ति से सम्बन्धित अध्ययनों के परिणामों में काफी भिन्नता है समावेशीय अभिवृत्ति चर का अध्ययन शिक्षा, अध्यापन अभ्यास, मानसिक योग्यता, शिक्षण अभ्यास, व्यवहार सम्बन्धी विकार, व्यवसायिक अभिवृत्ति आदि चरों के सम्बन्ध में किया गया । वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिये समावेशीय अभिवृत्ति की उपादेयता क्या है? इसी तथ्य के आलोकन के लिये शोधकर्ता ने प्रस्तुत विषय को अध्ययन के लिये चुना है ।

समावेशी शिक्षा की अवधारणा:-

शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी शिक्षा एक ऐसी अवधारणा है जो सभी विद्यार्थियों को, उनकी व्यक्तिगत भिन्नताओं के बावजूद, सामान्य शिक्षा धारा में एकीकृत करने पर बल देती है । इसका उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी की अद्वितीय

आवश्यकताओं को समझना और उन्हें पूरा करना है । समावेशी शिक्षा का आशय, समावेशी शिक्षा के अंतर्गत शारीरिक, मानसिक रूप से भिन्न बालक सामान्य बालकों के साथ एक ही विद्यालय की एक ही कक्षा में शिक्षा ग्रहण करते हैं । समावेशी शिक्षा में एकीकृत शिक्षा वाले विद्यालयों से बेहतर सुख-सुविधाएँ एवं वातावरण उपलब्ध कराया जाता है । बेहतर सुख-सुविधाओं का अर्थ है- उन्नत पाठ्यक्रम, विद्यालयों के बुनियादी ढांचे, विशेष शिक्षक, डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक आदि की व्यवस्था से है । सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने, बच्चों में स्वीकृति और सम्मान की भावना का विकास करने, व्यक्तिगत क्षमताओं का अधिकतम विकास करने एवं एक संवेदनशील और सहिष्णु समाज का निर्माण करने में समावेशी शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है ।

यूनेस्को (2019), ने समावेशी शिक्षा को परिभाषित करते हुए कहा है कि समावेशी शिक्षा अधिगमकर्ताओं के गुणात्मक शिक्षा के मौलिक अधिकार पर आधारित है जो आधारभूत शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर जीवन को समृद्ध बनाती है । अतिसंवेदनशील एवं सीमांत समूहों को दृष्टिगत रखते हुए यह प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता का पूर्ण विकास करती है । समावेशी गुणात्मक शिक्षा का परम ध्येय सभी प्रकार के विभेदीकरण को समाप्त करके सामाजिक संगठन का पोषण करना है ।

माइकेल एफ. जियानग्रेको (1997), ने समावेशी शिक्षा को परिभाषित करते हुए कहा है कि समावेशी शिक्षा से अभिप्राय उन मूल्यों, सिद्धांतों और प्रयासों के समूह से है जो सभी विद्यार्थियों को, चाहे वे विशिष्ट हों या नहीं, प्रभावकारी और सार्थक शिक्षा पर बल देते हैं ।

उमातुलि (2002), ने समावेशी शिक्षा को परिभाषित करते हुए कहा है कि समावेशन एक प्रक्रिया है, जिसमे प्रत्येक विद्यालय को दैहिक, संवेगात्मक तथा सीखने की आवश्यकता को पूरा करने के लिए संसाधनों का विस्तार करना होता है ।

समावेशी शिक्षा की विशेषताएं:-

1. समावेशी शिक्षा शैक्षिक एकीकरण को सुनिश्चित करती है ।
2. समावेशी शिक्षा में शिक्षा के अधिकार का अनुपालन है ।
3. समावेशी शिक्षा सामाजिक एकीकरण को सुनिश्चित करती है ।
4. समावेशी शिक्षा भारतीय संविधान में समानता के सिद्धांत का अनुपालन करती है ।
5. समावेशी शिक्षा से विद्यालय में व्यावहारिक व स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है ।

6. समावेशी शिक्षा द्वारा विशिष्ट बालकों में सामान्य बच्चों के समान जीवन जीने का आत्मविश्वास उत्पन्न होता है ।

समावेशीय अभिवृत्ति की अवधारणा:-

शिक्षा के क्षेत्र में समावेशीय अभिवृत्ति का तात्पर्य, उन विश्वासों, मूल्यों और व्यवहारों का समूह जो विविधता को स्वीकार करते हैं, उसका सम्मान करते हैं और सभी व्यक्तियों को समान अवसर प्रदान करने में विश्वास रखते हैं । एक शिक्षक के लिए, इसका अर्थ है कि वह सभी विद्यार्थियों को सीखने के योग्य माने, उनकी पृष्ठभूमि या क्षमताओं भिन्न होने के बावजूद भी । समावेशीय अभिवृत्ति का आशय, सभी विद्यार्थियों को बिना किसी भेदभाव के समान रूप से स्वीकार करना और उनकी आवश्यकताओं को समझना । इसका अर्थ है कि सभी विद्यार्थियों को, चाहे उनकी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, समान अवसर प्रदान करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करना ।

समावेशीय अभिवृत्ति के घटक:-

1. स्वीकृति (Acceptance)
2. समानुभूति (Empathy)
3. सहिष्णुता (Tolerance)
4. समझ (Understanding)
5. सकारात्मक दृष्टिकोण (Positive Attitude)

शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिये समावेशीय अभिवृत्ति की उपादेयता:-

समावेशीय अभिवृत्ति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिए केवल एक वांछनीय गुण नहीं है यह एक आधारभूत आवश्यकता है जो कि शिक्षण के चुनौतीपूर्ण व्यवसाय में उनकी प्रभावशीलता एवं दीर्घकालिक सफलता को रेखांकित करती है । वर्तमान शैक्षिक नीतियाँ, जैसे कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 समावेशी शिक्षा पर विशेष बल देती हैं । ऐसे में शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिए समावेशीय अभिवृत्ति का महत्व और भी बढ़ जाता है । शिक्षक-

प्रशिक्षणार्थियों के लिए समावेशीय अभिवृत्ति की उपादेयता को निम्नलिखित बिन्दुओं के माध्यम से स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है -

1. **विद्यार्थियों की व्यक्तिगत भिन्नता-** समावेशीय अभिवृत्ति वाले शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी विद्यार्थियों की विविध सीखने की शैलियों, आवश्यकताओं एवं चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं । और वह विद्यार्थियों की व्यक्तिगत भिन्नताओं के अनुरूप शिक्षण कार्य कर सकते है ।
2. **उन्नत कक्षा प्रबन्धन-** समावेशीय अभिवृत्ति वाले शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी विद्यार्थियों के व्यवहार के पीछे के संवेगों व आवश्यकताओं को समझ सकते हैं और उनके अनुसार प्रतिक्रिया दे सकते हैं, जिससे प्रभावी कक्षा प्रबन्धन एवं अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलती है ।
3. **सकारात्मक शिक्षण-अधिगम वातावरण का निर्माण-** समावेशीय अभिवृत्ति वाले शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण विधियों, सामग्री एवं मूल्यांकन प्रणालियों को अपना सकते है जिससे कि सकारात्मक शिक्षण-अधिगम वातावरण बनाने में मदद मिलती है, जहां सभी विद्यार्थियों को सीखने की प्रक्रिया में शामिल होने एवं भाग लेने का समान अवसर मिलता है ।
4. **मजबूत शिक्षक-छात्र सम्बन्ध-** समावेशीय अभिवृत्ति वाले शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी अपने सहानुभूति एवं सामाजिक कौशल के द्वारा विद्यार्थियों के साथ गहरे एवं सार्थक सम्बन्ध बनाने में सक्षम होते हैं । यह विद्यार्थियों में विश्वास एवं जुड़ाव की भावना पैदा करते है, जिससे उनकी अधिगम की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकें ।
5. **विद्यार्थियों की भागीदारी को बढ़वा देना-** समावेशीय अभिवृत्ति वाले शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी यह सुनिश्चित करते है कि कक्षा में सभी विद्यार्थियों की आवाज़ सुनी जाए एवं वे सक्रिय रूप से अधिगम की प्रक्रिया में शामिल हो, जिससे उनकी अधिगम प्रक्रिया में भागीदारी को बढ़वा मिल सकें ।
6. **विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का विकास-** शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी की समावेशीय अभिवृत्ति विद्यार्थियों को सुरक्षित, सम्मानित, स्वीकृत एवं सहज महसूस कराती है, जिससे उनका आत्मविश्वास एवं सीखने की इच्छा बढ़ती है । जिससे कि उनका सकारात्मक शिक्षण-अधिगम किया जा सकें ।
7. **सामाजिक न्याय-** समावेशीय अभिवृत्ति वाले शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी अपने समावेशीय कक्षा शिक्षण के द्वारा सभी विद्यार्थियों के लिए एक समान अवसर प्रदान कर सकते है, विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों का भी अधिगम सामान्य कक्षा में किया जा सकता है जिससे सभी विद्यार्थियों को सामाजिक न्याय मिल सकता है और इस प्रकार सामाजिक न्याय को बढ़वा दे सकते है ।

8. **शिक्षण में नवीनता-** जो शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी समावेशीय अभिवृत्ति को सकारात्मक रूप से देखते हैं, वे नई शिक्षण रणनीतियों को अपनाने एवं विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के साथ अधिक सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए अधिक खुले होते हैं ।
9. **समायोजन क्षमता का विकास-** शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की समावेशीय अभिवृत्ति उन्हें शिक्षण की विभिन्न परिस्थितियों एवं चुनौतियों में समायोजन करने में सहायता करती हैं ।
10. **शैक्षिक गुणवत्ता-** समावेशीय शिक्षण विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में सुधार करती है और शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाती है। जिससे कि समाज में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकें ।

शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों में समावेशीय अभिवृत्ति के विकास हेतु सुझाव:-

शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों में समावेशीय अभिवृत्ति को विकसित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं -

1. **पाठ्यक्रम में समावेशी शिक्षा का समावेश-** शिक्षक-प्रशिक्षण के पाठ्यक्रमों में समावेशी शिक्षा, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की शिक्षा और विविधता को समझने पर पर्याप्त बल दिया जाए ।
2. **व्यावहारिक अनुभव-** शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों को समावेशीय कक्षाओं में इंटर्नशिप एवं अवलोकन के अधिक अवसर प्रदान किया जाए ।
3. **संवेदीकरण कार्यक्रम-** कार्यशाला, सेमिनार एवं चर्चा सत्र आयोजित किए जाएं जो शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों को समावेशीय दृष्टिकोण अपनाने के लिए संवेदीकृत करें ।
4. **रोल मॉडल-** ऐसे सफल शिक्षकों के उदाहरण प्रस्तुत किए जाएं जिन्होंने समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है ।
5. **शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन-** समावेशी शिक्षा से सम्बन्धित शोध एवं नवाचार को बढ़ावा दिया जाए ।
6. **सहकर्मी शिक्षण-** शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों को एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने के अधिक से अधिक अवसर प्रदान किए जाए ।

निष्कर्ष:-

इस प्रकार उपर्युक्त विवेचना के आधार पर कहा जा सकता है कि वर्तमान समाज में शिक्षा की विभिन्न समस्याओं का एक निवारण समावेशी शिक्षा है । वर्तमान समय में समावेशी शिक्षा एक विकल्प नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है । शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों में समावेशीय अभिवृत्ति का विकास इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए आधारशिला का

कार्य करता है । यह न केवल उन्हें प्रभावी शिक्षक बनाता है बल्कि एक अधिक न्यायपूर्ण एवं समावेशीय समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है । अतः शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों को इस दिशा में सक्रिय होकर कार्य करना चाहिए ताकि भविष्य के शिक्षक चुनौतियों का सामना करने एवं सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में सक्षम हों । शिक्षण व्यवसाय में समावेशीय अभिवृत्ति की महत्वपूर्ण उपादेयता होती है । अतः शोध अध्ययन में समावेशी शिक्षा एवं समावेशीय अभिवृत्ति की अवधारणा, शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के लिये समावेशीय अभिवृत्ति की उपादेयता, शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों में समावेशीय अभिवृत्ति के विकास हेतु सुझावों की चर्चा की गई है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:-

- त्यागी, अंजलि एण्ड जैन, विनोद कुमार (2025). प्रोफेशनल एटीट्यूड अमोंग टीचर ट्रेनीर्सः ए कांसेप्चुअल एण्ड थियोरेटिकल एक्सप्लोरेशन. *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च-ग्रंथायल,* 5(5), 2350-0530. DOI 10.29121/granthaalayah.v13.i5.2025 .6184
- यादव, अजय कुमार एण्ड चतुर्वेदी, वंदना (2024). समावेशी शिक्षा के प्रति रीवा जिले के हाई स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों की अभिवृत्ति. *सांस्कृतिक और सामाजिक अनुसंधान,* 5(2), 2582-5852. www.shodhjournal.com
- रामप्रभु एस. एट अल. (2024). एटीट्यूड ऑफ बी.एड. टीचर ट्रेनीर्स टुवर्ड्स इंक्लूसिव एजुकेशन. *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एण्ड रिव्यू,* 5(8), 2382-7421. http://www.ijrpr.com
- काजमी, अंजुम बनो एट अल. (2023). दी इफेक्ट ऑफ टीचर्स एटीट्यूड इन सर्पोटिंग इंक्लूसिव एजुकेशन वय कैटरिंग टु डायवर्स लर्नर्स. *फ्रंटियर्स इन एजुकेशन,* 8. https://doi.org/10.3389/feduc.2023.1083963
- आर्य, मोहन लाल (2022). बी.एड. एवं बी.टी.सी. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभ्यास के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन. *जूनि ख्यात यूजीसी केयर जर्नलए* 12(1), 2278-4632. https://www.researchgate.net/publication/358378333
- तिवारी, अभिषेक एण्ड अहमद, अफजाल (2021). बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभिवृत्ति पर उनकी मानसिक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन. *जिज्ञासा,* 14(12), 0974-7648. https://www.researchgate.net/publication/363066321

- बॉयल, क्रिस्टोफर एट अल. (2020). दी इंपोर्टेंस ऑफ टीचर एटीट्यूड टु इंक्लूसिव एजुकेशन. *इंक्लूसिव एजुकेशन:ग्लोबल इश्यू एण्ड कंट्रोवर्सी,* 127-146. http://dx.doi.org/10.1163/9789004431171_008
- दास, जोगेश्वरी एट अल. (2019). ए स्टडी ऑन एटीट्यूड ऑफ प्रोस्पेक्टिव टीचर एजुकेटर टुवर्ड्स इंक्लूसिव एजुकेशन. *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ अप्लाइड रिसर्च,* 5(5), 2394-5869. www.allresearchjournal.com
- गुप्ता, अरुण के. एण्ड टंडन, भारती (2018). एटीट्यूड ऑफ टीचर ट्रेनीर्स टुवर्ड्स इंक्लूसिव एजुकेशन.*एमआईईआर जर्नल ऑफ एजूकेशनल स्टडीज, ट्रेन्ड एण्ड प्रैक्टिर्स,* 8(1),17-28. https://doi.org/10.52634/mier/2018/v8/i1/1427
- पुरवार, मीना (2016). कानपुर नगर के बी.एड. प्रशिक्षण में अध्ययनरत् छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं की अध्यापन-अभ्यास में पर्यवेक्षक के प्रति अभिवृत्ति- एक अध्ययन.*पीरियोडिक रिसर्च,* 4(4), 2349&9435-RNI No. UPBIL/2012/55438d
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/nep_update/NEP_final_HI_0.pdf
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/infocus_slider/NCF-School-Education-Pre-Draft.pdf
- उत्तराखड मक्त विश्वविद्यालय, समावेशी शिक्षा. https://uou.ac.in/sites/default/files/2023-04/B6-II-Sem.pdf
- उत्तराखड मक्त विश्वविद्यालय, समावेशी शिक्षा. https://uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAED-206.pdf